### अध्यय-1

# लेकतंत्र में सत्ता साझेदारी

## लाकतंत्र में सत्ता की साझेदारी

क्या है?	<ul> <li>लोकतंत्र जनता का शासन है। वहाँ सत्ता यानी शासन की शक्ति किसी एक व्यक्ति या एक समूह के हाथों में नहीं रहती है। शासन की शक्ति का बँटवारा सत्ता में अधिक से अधिक लोगों की साझेदारी सुनिश्चित करता है।</li> <li>नागरिकों द्वारा सरकारी काम–काज में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप में भाग लेने की क्रिया को सत्ता में साझेदारी कहा जाता है। उदाहरण – चुनाव में मतदान करना, चुनाव में खड़ा होना, विभिन्न संगठनों के माध्यम से अपने हितों के लिए सरकार पर दबाव बनाना इत्यादि।</li> </ul>
क्यों जरूरी है? या लोकतंत्र के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?	<ul> <li>शासन व्यवस्था में समाज के सभी वर्गों को शामिल करने के लिए।</li> <li>सामाजिक समूहों के बीच आपसी टकराव (जैसे जातीय, लैंगिक, भाषायी, सांप्रदायिकता) को कम करने के लिए।</li> <li>राजनीतिक व्यवस्था को दृढ़ता एवं स्थायित्व प्रदान करने के लिए।</li> </ul>

# सरकार के विभिन्न अंग (विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका) सत्ता की साझेदारी के रूप सत्ता का विभाजन (केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय स्वशासन) साजनीतिक दल

- 1. सत्ता की साझेदारी से आप क्या समझते हैं?
- 2. सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र में क्या महत्व रखती है?

## विभिन्न समुदाय के बीच सत्ता की भागीदारी

- जातीय समूह
- भाषायी समूह
- धार्मिक समूह
- क्षेत्रीय समूह
- लैंगिक समूह
- महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व

## दबाव समूह

अपने हितों के लिए बनाये गये संगठन को हित समूह कहते हैं। जैसे—फुटबॉल क्लब, जाति संगठन, गाँव और मुहल्ला समिति। अपने हितों के लिए बनाया गया संगठन जब सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों को प्रभावित करने लगे तब वह दबाव समूह हो जाता है। जैसे—छात्रसंघ, शिक्षक संघ, व्यवसायी संघ, मजदर संघ आदि।

\* \* \*